No. of Printed Pages : 3

एम.एच.डी.-1

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.ए. हिन्दी)

11125

सत्रांत परीक्षा

जून, 2019

एम.एच.डी.-1 : हिन्दी काव्य-1

(आदि काव्य, भक्ति काव्य एवं रीति काव्य)

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : *कुल **चार** प्रश्नों के उत्तर देने हैं । **प्रथम** प्रश्न **अनिवार्य** है । शेष प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।*

---

1. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : *2×10=20*

(क) जाग पियारी अब का सोवै ।
रैन गई दिन काहे को खोवै ।।
जिन जागा तिन मानिक पाया ।
तैं बौरी सब सोय गँवाया ।।
पिये तेरे चतुर तू मूरख नारी ।
कबहुँ न पिय की सेज सँवारी ।।

(ख) देखत भृगुपति बेषु कराला । उठे सकल भय बिकल भुआला ।।
पितु समेत कहि कहि निज नामा । लगे करन सब दंड प्रनामा ।।
जेहि सुभायँ चितवहिं हितु जानी । सो जाइन जनु आइ खुटानी ।।
जनक बहोरि आइ सिरु नावा । सीय बोलाइ प्रनामु करावा ।।
आसिष दीन्हि सखीं हरषानीं । निज समाज लै गईं सयानीं ।।
बिस्वामित्रु मिले पुनि आई । पद सरोज मेले दोउ भाई ।।

(ग) माई साँवरे रंग राची ।
साज सिंगार बाँध पग घूंघर, लोकलाज तज नाची ।
गयाँ कुमत लयाँ साधाँ सँगत श्याम प्रीत जग साँची ।
गायां गायाँ हरि गुण निसदिन, काल ब्याल री बाँची ।
स्याम विणा जग खाराँ लागाँ, जगरी बातां काँची ।
मीराँ सिरि गिरधर नट नागर भगति रसीली जाँची ।।

(घ) वहै मुसक्यानि, वहै मृदु बतरानि, वहै
लड़कीली बानि आनि उर मैं आरति है ।
वहै गति लैन औ बजावनि ललित बैन,
वहै हँसि दैन, हियरा तें न टरति है ।
वहै चतुराई सों चिताई चाहिबे की छबि,
वहै छैलताई न छिनक बिसरति है ।
आनंदनिधान प्रानप्रीतम सुजानजू की,
सुधि सब भाँतिन सों बेसुधि करती है ।।

2. 'पृथ्वीराज रासो' के काव्य-रूप पर विचार कीजिए । *10*

3. कबीर की कविता की भाषागत विशेषताएँ बताइए । *10*

4. "सूर की बड़ी भारी विशेषता है नवीन प्रसंगों की उद्‌भावना ।" इस कथन के आलोक में सूर के काव्य पर विचार कीजिए । *10*

5. मीरा के काव्य में सामंती रूढ़ियों के प्रति विद्रोह किस प्रकार प्रस्फुटित हुआ है ? सोदाहरण उत्तर दीजिए । *10*

6. मुक्तक कवि के रूप में बिहारी का महत्त्व स्पष्ट कीजिए । *10*

7. पद्‌माकर की कविता की काव्यगत विशेषताएँ बताइए । *10*